Maa Bharti P.G. College
KOTA

Geographical Field Survey

बूंदी जिले में पर्यटन की दशा एवं दिशा
(एक भौगोलिक अध्ययन)

Session- 2022-23

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

DATE / /
PAGE NO.:

1 बूंदी जिले का परिचय :-

बूंदी को 'परदो का स्वर्ग' कहा जाता है उपनाम छोटी काशी के नाम से प्रसिद्ध बूंदी जिले मे प्राकृतिक सौन्दर्य है। यह अपनी संस्कृति लोक परम्पराएँ व एतिहासिक धरोहर व स्थानीय पक्षियों की पसंदीदा जगह के रूप मे प्रसिद्ध रहा है। अरावली की पर्वत श्रृंखलाए बूंदी को और भी मनोरम बनाती है।

पुराने शहर की स्थापना बूंदा मीणा ने की थी। बूंदा मीणा के नाम पर इसका नाम बूंदी रखा गया। राजा देवा के उपरान्त राजा बरसिंह ने पहाड़ी पर 1354 मे तारागढ़ नामक दुर्ग का निर्माण करवाया। साथ ही दुर्ग मे महल व कुण्ड बावड़ियो को 14वी व 15वी शताब्दी के बीच तलहटी पर महल का निर्माण कराया गया। सन् 1620 को महल के प्रवेश द्वार का मध्य पोल का निर्माण करवाया गया। पोल को दो हाथियों की मूर्तियों से सजाया गया उसे हाथीपोल कहा जाता है।

राजमहल मे अनेक महल साथ ही दीवान-ए-आम, दिवाने खास बनाए गए। बूंदी अपनी विशिष्ट चित्रकला शैली के लिए विख्यात है इसे सुहाराव राजा श्रीजी उम्मेद सिंह ने बनवाया जो अपनी चित्रशैली के लिए विख्यात है। बूंदी के विषयो मे शिकार सवारी, रासलीला, शेर, हिरण गगनधारी पक्षी पेड़ो पर फुदकते है।

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature.....

DATE / /
PAGE NO.:

अखिल भारतीय श्री मीणा समाज, जिला बून्दी

बून्दी के सस्थापक महाराजा बून्दा मीणा

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature.....

DATE / /
PAGE NO.:

बूंदी जिले की स्थिति :-

बूंदी पश्चिम भारत में राजस्थान राज्य का एक जिला बूंदी जिला मुख्यालय है।

इसका क्षेत्रफल = 5500 किमी²
बूंदी की कुल जनसंख्या = 11,10,906
(2011 की जनगणना के अनुसार)

बूंदी जिले में तहसीलों की संख्या = 5

1. बूंदी
2. हिण्डोली
3. नैनवा
4. केशोरायपाटन
5. इन्द्रगढ़

आधिकारिक भाषा - हिन्दी
देशी भाषा - हाड़ौती

अक्षांशीय स्थिति :-

25 डिग्री 84 मिनट उत्तरी अक्षांश से 25 डिग्री 53 मिनट उत्तरी अक्षांश तक

देशान्तरीय स्थिति :-

75 डिग्री 19 मिनट पूर्वी देशान्तर से 76 डिग्री 19 मिनट 30 सैकण्ड पूर्वी देशान्तर तक।

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature .....

DATE / /
PAGE NO.:

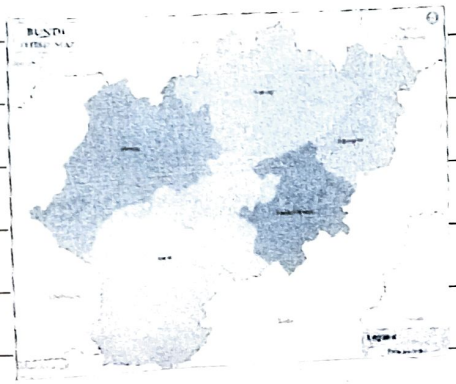

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature..................

PAGE NO.
DATE

2. उच्चावच समुद्र तल से ऊचाई ढाल की दिशा एवं कोण :-

बूंदी जिले की समुद्र तल से ऊचाई - 268 मीटर
(579 फीट)

घनत्व - 193 / किमी² (500 / वर्ग मिली)

सड़क मार्ग - राष्ट्रीय राजमार्ग 12

नदी - अरवरी नदी, मेज नदी प्रमुख है।

क्षेत्रफल - 5550 km²

समुद्रतल से ऊचाई मे 150-300 मीटर के मध्य 23.3% कोण के साथ, राजस्थान के दक्षिण मे स्थित भू-भाग पर है।

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

PAGE NO.

DATE

बूंदी में चित्रशाला - Chitrashala in Bundi

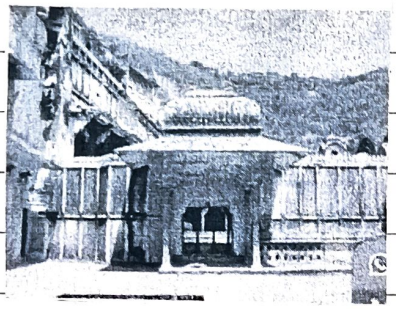

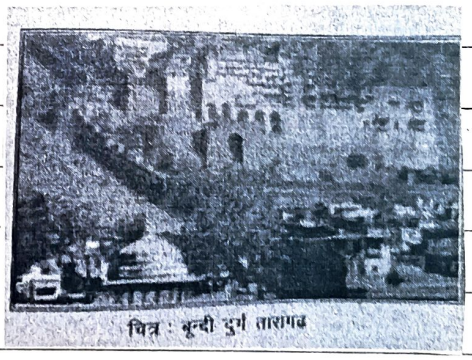

चित्र : बूंदी दुर्ग तारागढ़

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

DATE / /
PAGE NO.:

3. प्राचीन स्थलो का इतिहास पर्यटको से सम्बन्धित :-

बूंदी पर्यटन भारत के राजस्थान राज्य के ऐतिहासिक स्थलो मे से एक है। बूंदी की सबसे खास बात यह है कि यह पर्यटन स्थल कई नहिया झीलो, झरनो जैसे प्राकृतिक आकर्षणो से सजा हुआ है। इस बूंदी राज्य का एक ऐसा स्थल है जो अपने कई शानदार महलों, राजसी किलो के लिए जाना जाता है।

* तारागढ़ का किला :-

तारागढ़ का किला वर्ष 1354 मे निर्मित है जो भारत के उत्तरी राज्य राजस्थान के अजमेर शहर मे सबसे प्रभाव शाली संरचनाओ मे से एक है। बूंदी राज्य की स्थापना राव देवा द्वारा की गई थी और इसी दौरान इस विशाल किले का निर्माण भी किया गया था। इसको स्टार फोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। अरावली पर्वतमाला के नाग पहाड़ी पर स्थित यह किला बूंदी शहर के मनोरम और मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करता है।

* मोतीमहल :- मोतीमहल बूंदी का एतिहासिक स्थल है जो अपनी सुन्दरता के साथ पर्यटको को बेहद आकर्षित करता है। नवलसागर झील के दृश्य के साथ पर्यटक अरावली पहाड़ियो के मनोरम दृश्य का आनन्द ले सकते है। मोतीमहल का निर्माण

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature.....

DATE / /
PAGE NO.:

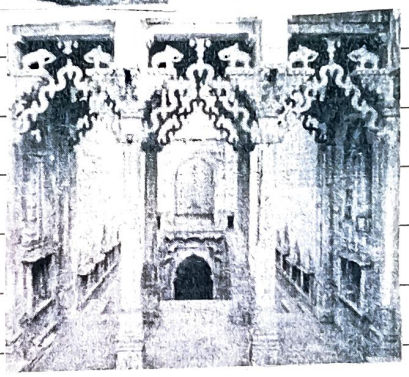

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature.....

DATE / /
PAGE NO.:

महाराजा भाओ सिंह ने वर्ष 1695 मे करवाया था

* **बादल महल :-**
बादल महल बूंदी मे स्थित है। तारागढ़ किले के परिसर मे स्थित है। इस आकर्षक महल की दिवारे उत्कृष्ट चित्रो से सजी हुई है। यहा बनी पेन्टिंग देखने लायक है जो चीनी संस्कृति के प्रभाव को दर्शाते है।

* **गढ़ पैलेस :-**
गढ़ पैलेस मे कई राजमहल है जो केन्द्रीय राजसी निवास को घेरते है। शहर के विभिन्न शासको ने इन छोटे महलो का निर्माण किया। इन महलो मे कई किस्से और कहानियाँ जुड़ी हुई है।

* **हाथी पोल :-**
हाथी पोल बूंदी के गढ़ पैलेस मे एक प्रवेशद्वार है। महल मे खड़ी चढ़ाई के अन्त मे दो विशाल द्वार देख सकते है। इस विशाल द्वार को हाथी पोल कहते है। हाथीपोल मे दो दुरही वाले हाथी दांत होते है।

* **सुखमहल :-** सुखमहल बूंदी का प्रमुख दर्शनीय स्थल है जो जैतसागर झील के बीच स्थित है। इस महल का निर्माण उम्मेद सिंह के शासन के दौरान किया गया। सुखमहल का मुख्य आकर्षण एक सफेद संगमरमर की छतरी है।

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature..................

DATE / /
PAGE NO.:

चित्र - बून्दी दुर्ग भित्ति चित्र

चित्र - बून्दी दुर्ग भित्ति चित्र कृष्णलीला

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature.....

DATE / /
PAGE NO.:

* चौरासी खंभो की छतरी :- बूंदी मे बनी विश्व प्रसिद्ध 84 खंभो की छतरी की वास्तुकला अपने आप मे अनूठी है। इसका निर्माण 1683 मे राव राजा अनिरुद्ध ने धाय माँ के पुत्र धाभाई देवा की स्मृति मे करवाया था।

* नवलसागर झील :- यह मानव निर्मित झील है जिसे तारागढ किले से देखा जा सकता है। इस झील मे छोटे द्वीप भी है। यह झील शहर के बीच स्थित है। इसलिए यह झील पर्यटको को बेहद आकर्षित करती है।

* फूलमहल :- यह एक विशाल किला है जो झील के किनारे स्थित है। इसका निर्माण वर्ष 1945 मे महाराजा बहादुर सिंह द्वारा शुरू किया गया था।

* शिकारबुर्ज :- बूंदी शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल है जो सुखमहल से थोड़ी दूरी पर स्थित है शिकारबुर्ज बूंदी के शासको के स्वामित्व वाली पुरानी शिकार की जगह है।

* भूराजी का कुण्ड :- यह कुंड देखने मे बेहद सुन्दर है जो 17 वी शताब्दी मे निर्मित हुआ। यह कुण्ड बूंदी के सूखे प्रभावित क्षेत्र के लिए पानी के स्रोत के रूप मे उपयोग लिया गया।

SHWETA SAXENA
25.04.2024 11:17

Teacher's Signature..................

4. बूंदी जिले मे पिछले वर्ष के देशी व विदेशी आकड़े :-

हम बूंदी जिले की बात करे तो यह राज्य के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलो से परिपूर्ण है जिसमे प्राकृतिक व एतिहासिक पर्यटक स्थल शामिल है जैसे - रानी जी की बावड़ी, तारागढ़ का किला, चौरासी खंभो की छतरी आदि।

इन पर्यटन स्थलो मे देश - विदेश से पर्यटक आते है जिसमे हम वर्ष 2022 के आकड़ो की बात करे तो बूंदी जिले मे देशी पर्यटको की संख्या 40723 रही है जो राजस्थान के कुल पर्यटको का 0.38% है जो राजस्थान मे रैंक के आधार पर जिलो मे बूंदी का 30 वा स्थान रहा है।

वही हम विदेशी पर्यटको की बात करे तो वर्ष 2022 मे इनकी संख्या 2379 रही है जो राज्य मे आए कुल विदेशी पर्यटको का 0.60% है और प्रतिशत के अनुसार देशी पर्यटको से अधिक है। वही हम रैंक की बात करे तो बूंदी जिले का 14वॉ स्थान रहा है। इसमे विदेशो से आए पर्यटको मे अलग - 2 देशो से आने वाले यात्रियो की बात करे तो सबसे अधिक संयुक्त राज्य अमेरिका से है और इसके बाद क्रमशः फ्रांस, यू. के, बांग्लादेश व जर्मनी है।

SHWETA SAXENA

Teacher's Signature.....

25.04.2024 11:17

DATE / /
PAGE NO.:

पर्यटन सांख्यिकी :-

इसमे पर्यटक सूचना केन्द्र व पुलिस विभाग से राज्य मे आए पर्यटकों का और इनकी यात्राओं के समंक प्राप्त कर आकड़े एकत्रित किए जाते है। बूंदी जिले मे राज्य सरकार द्वारा सूचना केन्द्र की स्थापना की गई है।

बूंदी जिले मे हम पिछले वर्ष 2022 मे आए पर्यटको के आकड़े देखे तो राजस्थान के अन्य जिलो की तुलना मे काफी कम संख्या है तथा इनकी संख्या को बढ़ाने के लिए सरकार समय-2 पर प्रयास करती है। प्रत्येक वर्ष बजट मे वित्तीय घोषणा भी होती है। इसमे हम वर्ष 2022-23 की बात करे तो बूंदी जिले मे स्थित ऐतिहासिक बावड़ियो का संरक्षण व पुनरूद्धार एवं पर्यटक विकास कार्य के लिए 920 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है जिसमे अभी तक 230 रुपये की राशि उपलब्ध भी करवा दी गई है।

पर्यटन सहायता बल :-

यह पर्यटको की सहायता के लिए कार्य करता है। इसमे पूर्व सैनिको को भर्ती किया जाता है।

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature.....

DATE / /
PAGE NO.:

5. बूंदी जिले की साक्षरता एवं शिक्षा सम्बन्धित आकड़े :-

बूंदी की कुल जनसंख्या मे साक्षरता दर 61.52% है।
जिनमे पुरुष साक्षरता = 75.4%
महिला साक्षरता = 46.6%

अर्थात् बूंदी जिले मे कुल साक्षर पुरुष 3,73,705
कुल साक्षर महिलाएँ 2,13,339 है।

बूंदी जिले की शिक्षा :- बूंदी जिले मे दो सरकारी कॉलेज है जबकि जिला मुख्यालय मे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, हायर सेकण्डरी स्कूल है। यह वो शिक्षण संस्थान है जहाँ बूंदी जिले की अधिकतर आबादी ने अध्ययन किया है। बूंदी के तत्कालीन हाड़ा रावराजा ईश्वरीसिंह ने अपने शासन के दौरान 6 मई 1935 को कॉलेज की नींव रखी थी।

डी. ई. ओ. कार्यालय बूंदी से लिया गया डाटा निष्कर्ष साक्षरता को अक्सर आर्थिक विकास, सामाजिक गतिशीलता और राजनीतिक स्थिरता के लिए जरूरी माना जाता है। निरक्षरता असमानता से अक्सर बढ़ी हुई गरीबी, अपराध, धीर विकास के तहत राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक स्थिरता से सबन्धित रही है। मनुष्य के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए शिक्षा बहुत आवश्यक है लेकिन शिक्षा पर उचित ध्यान नहीं दिया गया है खासकर महिलाओं के मामले में।

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature.....

जिले को राष्ट्रीय और राज्य स्तर के मान को ऊपर उठाने के लिए कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

बूंदी तहसीलवार शैक्षिक संस्थानो मे नामांकन (%) मे

Tehsil	1971			2011		
	Sec., Sr. Sec schools	Upper Pri. Schools	Primary schools	Sec, sr. Sec Schools	Upper primary Schools	Primary schools
Bundi	45.5	35.45	34.19	38.05	29.27	33.44
Hindoli	7.1	18.05	19.2	18.53	18.06	29.18
Indragarh	-----	---	---	11.23	10.79	7.29
Keshorai Patan	29.4	28.91	31.07	14.5	12.46	10.4
Nainwan	18	17.59	15.54	17.69	29.42	19.69
Bundi District	11.76	40.69	47.53	45.36	37.83	18.81

(बूंदी तहसीलवार साक्षरता दर)

तहसील	1971	1981	1991	2001	2011
हिंडोली	8.75	11.17	22.16	46.81	53.92
नैनवा	11.90	15.87	26.62	32.47	57.83
बूंदी	19.58	22.99	37.01	38.3	63.6
केशोरायपाटन	20.29	26.48	38.76	59.42	68.05
इन्द्रगढ	---	---	---	61.5	65.54
बूंदी जिला	16.01	20.74	32.75	55.80	62.31

SHWETA SAXENA
25.04.2024 11:17

Teacher's Signature..................

PAGE NO.
DATE

6. बूंदी जिले मे आए देश व विदेश से पर्यटको के आकडे :-

राजस्थान के पर्यटक सम्बन्धित आकडे

	वर्ष 2019		
माह	देशी	विदेशी	योग
जनवरी	3867897	183828	4051725
फरवरी	2655035	224188	2879223
मार्च	5748589	217348	5963937
अप्रेल	5154454	121314	527505
मई	2401088	58326	2459414
जुन	2540784	41127	2581911
जुलाई	3241861	58248	3300109
अगस्त	4146464	95191	4241655
सितम्बर	9931613	93154	10024767
अक्टूबर	4391300	169187	4560487
नवम्बर	4046523	213167	4259690
दिसम्बर	4096786	130482	4227268
योग	52220431	1605560	53825991

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

PAGE NO.
DATE

पिछले वर्ष के पर्यटक स्वदेशी व विदेशी पर्यटक यात्राओं का वर्ष २०22-2019 का तुलनात्मक विवरण :-

	वर्ष 2022		
माह	देशी	विदेशी	योग
जनवरी	4233653	6202	4239855
फरवरी	5220589	7101	5227690
मार्च	8671987	16463	8688450
अप्रैल	7834159	18451	7852610
मई	5021675	12161	5033836
जून	5537429	12288	5549717
जुलाई	13289941	22594	13312535
अगस्त	13840452	35914	13876366
सितम्बर	11911902	34425	11946327
अक्टूबर	12568741	63688	12632429
नवम्बर	10663816	85662	10749478
दिसम्बर	9533812	81735	9615547
योग	108328156	396684	10872484

SHWETA SAXENA
25.04.2024 11:17

PAGE NO.
DATE

7 बूंदी जिले मे पर्यटन स्थलो से आय के स्रोत -

पर्यटन आज दुनिया का सबसे बड़ा उद्योग बन गया है। 2018 की रिपोर्ट के अनुसार भारत को पर्यटन के मामले मे तीसरा स्थान मिला है।

स्वदेश दर्शन योजना विरासत स्थलो के विकास हेतु हृदय योजना लाई गई है। बूंदी जिले मे आने वाले पर्यटको से स्थानीय लोगो को रोजगार मिलता है। विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। लोगो के जीवन स्तर मे वृद्धि होती है।

वहा पर आने वाले पर्यटको से हथकरघा उद्योग, हेरिटेज होटल, पेइंग गेस्ट योजना, संस्कृति का प्रसार होता है। पर्यटक स्थानीय रीति-रिवाज व कलासंस्कृति से परिचित होते है।

पर्यटन स्थलो के आस-पास निर्माण कार्य से भी लोगो को रोजगार मिलता है।

पर्यटन प्राकृतिक चिकित्सा व साहसिक पर्यटन, ट्रेकिंग आदि के निजि क्षेत्र के लोग अच्छी कमाई कर रहे है।

पर्यटको की सुरक्षा हेतु पर्यटन सहायता बल लगाया गया है।

बूंदी की सील, किले, बावड़ियाँ, पर्वत, पठार आदि पर्यटको को आकर्षित करते है।

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

DATE / /
PAGE NO:

8. बूंदी जिले के रोजगार व जीवन स्तर से सम्बन्धित आकड़े :-

जिले की अर्थव्यवस्था के दो प्रमुख पिलर है खान व खान। खान व चावल उद्योग ने कई लोगो को रोजगार दिया है। यहाँ सेंड स्टोन व्यवस्था एक लाख लोगो को रोजगार देता है। बरड़ क्षेत्र मे सेंड स्टोन की 500 से अधिक खाने है। सेंड स्टोन दूसरे राज्यो को निर्यात किया जाता है। चावल उद्योग का टर्नओवर 1200 करोड़ रुपये है। यहाँ का चावल खाड़ी देशो को भी निर्यात किया जाता है।

खनन उद्योग 50,000 से ज्यादा लोगो को रोजगार दे रहा है। यहा के निवासियों का जीवन स्तर मूल्यम है। कई लोग रोजगार के लिए दूसरे राज्यो व विदेशो मे प्रवास (अस्थायी) कर गए है।

2011 की जनगणना के अनुसार 55। कार्य गतिविधि मे लगे हुए है। 41.9% श्रमिक अपने कार्य को मुख्य कार्य के रूप मे वर्णित करते है जबकि 58.1% 6 महिने से कम समय के लिए सीमान्त गतिविधि मे शामिल है। मुख्य कार्य मे लगे 55। श्रमिको मे से 3 कृषक व 7 खेतीहर मजदुर है।

यहु का प्रशासन समय-2 पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करवाता है।

SHWETA SAXENA

Teacher's Signature .....

25.04.2024 11:17

DATE / /
PAGE NO.:

पर्यटन स्थलो के नाम :- बूंदी जिले मे निम्न पर्यटन स्थल है -

1) 84 खम्भो की छतरी :- 84 खम्भो की छतरी का निर्माण राव अनिरुद्ध द्वारा धाभाई देवा की स्मृति मे 1683 मे करवाया गया।

2. चित्रशाला :- बूंदी के शासक राजा उम्मेद सिंह द्वारा निर्मित है।

3. रानी जी की बावड़ी :- इस बावड़ी का निर्माण राव राजा अनिरुद्ध सिंह की विधवा रानी नाथावती ने करवाया।

4. शिकारबुर्ज :- यहाँ उम्मेदसिंह द्वारा निर्मित हनुमान जी की छतरी दर्शनीय है।

5 केसरबाग (क्षार) :- यह बूंदी के दिवंगत राजाओ का समाधि स्थल है।

6 मोतीमहल संग्रहालय :- बूंदी किले के नीचे रावला परिसर मे स्थित है।

7 अन्य स्थल :- अन्य स्थलो मे सुखमहल, रतन दौलत दरीखाना, बूंदी का किला, जैतसागर झील हाथीपोल, गढ़ पैलेस, तारागढ़, नवलसागर झील, बादल महल आदि है।

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature.....

DATE / /
PAGE NO.:

9 पर्यटन स्थलो पर समस्याएँ -

1 बूंदी जिले से यद्यपि 3 राष्ट्रीय राजमार्ग व तीन राज्य राजमार्ग गुजरते है व सामान्य सभी उपखण्ड व ग्राम पंचायत सड़क मार्ग से जुड़े है किन्तु राष्ट्रीय राजमार्गो को छोड़कर अन्य सड़के क्षतिग्रस्त व जीर्ण अवस्था मे है। साथ ही भूपर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलो तक सुगम सड़क मार्ग नही है जिससे पर्यटन सम्भावनाओ को क्षति पहुच रही है।

2 जिले मे वर्तमान मे विद्यमान होटल पेइंग गेस्ट आदि के द्वारा पर्यटकों से लिया जाने वाला किराया भी अत्याधिक है। वही सुविधाएं भी स्तरीय नही है। जिससे पर्यटक अपने को ठगा सा महसूस करते है।

3. जिले मे पर्यटन विकास के मार्ग मे एक अन्य महत्वपूर्ण समस्या साइट विजिट प्लान का न होना है जिससे पर्यटक अपनी निर्धारित अवधि मे सभी पर्यटन स्थलो का भ्रमण नही कर पाते है।

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature.....

(iv) जिले में प्राकृतिक व भौगोलिक विशिष्टता रखने वाले क्षेत्रों में सामान्य पर्यटक प्राकृतिक सौन्दर्य को निहारने के लिए तो चले जाते है किन्तु उन स्थलों पर भूपर्यटन विशिष्टता रखने वाली स्थलाकृतियों का चिन्हीकरण न होने से सामान्य पर्यटक उन्हे पहचान नही पाते इससे भी भूपर्यटन विकास मे बाधा पहुँचती है।

(v) स्थानीय निवासियों द्वारा अपने सामान्य क्रिया-कलापों तथा सामान्य पर्यटकों द्वारा कई बार भूपर्यटनीय दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलरूपों को अज्ञातवश हानि पहुँचा दी जाती है।

(vi) जिले का पर्यटन विभाग सामान्यतः पर्यटन प्रसार को लेकर उदासीन है। उसके द्वारा वर्ष में केवल एक बार बूंदी उत्सव मनाकर सरकारी रस्म अदायगी कर दी जाती है। जिसमे जनसामान्य की अत्यन्त सीमित भूमिका रहती है। जिसमे भी पर्यटन निकाय सीमित है।

(vii) जिले के भूपर्यटन किसी न किसी धार्मिक आस्था से जुड़े होने के कारण यहाँ विशेषकर श्रावण मास मे सामूहिक भोज का आयोजन बढ़ जाता है जिससे इन क्षेत्रो मे गन्दगी व कचरा प्रदूषण को बढ़ा रहा है।

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Teacher's Signature .....

10 पर्यटन विकास के सुझाव :-

ई-वाणिज्य द्वारा होटल, यातायात, गाइड की सुविधा उपलब्ध करवाना। सड़क एवं यातायात सुधार जिले के लिए दैनिक रेलगाड़ियों की संख्या बढ़ायी जाए तथा निकट क्षेत्र मे हवाई अड्डा स्थापित हो।

- कुछ पर्यटन स्थलों पर न्यूनतम प्रवेश शुल्क लागू हो जिसमे प्रशासन विकास बढ़ा सके
- जिला पर्यटन केन्द्र मे अतिरिक्त कर्मचारी बढ़ाए जाए
- स्थानीय नागरिकों की जागरूकता तथा पर्यटन विकास पर सेमिनार आयोजित हो
- खराब सड़कों का एवं सीमित यातायात मे बढ़ावा हो।
- बढ़ती जनसंख्या के कारण प्राकृतिक जलस्रोतों पर अतिक्रमण एवं प्रदूषण अधिक है। उसे जागरूक करके कम किया जाए
- राजनैतिक पूर्वाग्रह एवं प्रशासनिक उदासीनता का अभाव अधिक देखने को मिलता है।
- पर्यटन विकास मे समुचित बजट का अभाव होने के कारण पर्यटन को सही दिशा नही मिलने के कारण पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए।

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

GEOGRAPHY PRACTICAL
B.A. Part- III
FIELD SURVEY

बूंदी जिले में पर्यटन की दशा एवं दिशा

Session- 2022-23

S.No.	Name of Students	Sign.
1.	Ajay Kumar Meena	Ajay Kumar Meena
2.	Ajay Meena	Ajay
3.	Ankit Kumar	अंकित
4.	Anshil Bhadoriya	Anshil
5.	Arpita Chauhan	Arpita
6.	Arpita Vijay	Arpita Vijay
7.	Charulata Swarnkar	Charu
8.	China Khandelwal	चीना
9.	Deepak Meena	Deepak Meena
10.	Devki Nandan Malav	देवकी
11.	Garima Mahawar	Garima
12.	Gaurav Saini	Gaurav
13.	Giriraj Goswami	गिरिराज
14.	Gulshan	Gulshan
15	Gulshan Kumar	Gulshan Kumar
16.	Karan Choudhary	करण
17.	Khushi Suman	Khushi

SHWETA SAXENA

25.04.2024 11:17

Geography Practical

बूंदी जिले में पर्यटन की दशा एवं दिशा

FIELD SURVEY

Session- 2022-23

S.No.	Name of Students	Sign.
18.	Kunal Sharma	Kunal
19.	Mahendra Pratap Meena	Mahendra Pratap
20.	Mansi Sunariya	Mansi
21.	Megha Kanwar	Megha
22.	Narender Kumar	Narendra
23.	Neelu Chundawat	Neelu
24.	Nikita Kanwar Rajawat	Nikita Kanwar
25.	Pankaj Yadav	Pankaj
26.	Pooja Jain	Pooja
27.	Prachi Gautam	Prachi
28.	Radhey Saini	Radhey Saini
29.	Rajendra Singh	Rajendra
30.	Rajnandani Mali	Rajnandini
31.	Ramiz Anwar	Ramiz
32.	Rohit Meena	रोहित
33.	Saijal Meena	Saijal
34.	Vaibhav Sharma	Vaibhav

SHWETA SAXENA
25.04.2024 11:17

सूचना

Session- 2021-22

माँ भारती स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विषय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि फरवरी, २०२२ के अन्तिम सप्ताह में दिनांक २२ फरवरी, २०२२ को सामाजिक - आर्थिक एवं पर्यावरणीय सर्वेक्षण हेतु बारां जिले के खांखरा गाँव में जाना प्रस्तावित है अतः आप सभी फरवरी माह के द्वितीय सप्ताह में भूगोल विभाग में उपस्थित हो कर सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करें।

SHWETA SAXENA

आज्ञा से

25.04.2024 11:17

प्राचार्य

सूचना

Session- 2022-23

माँ भारती स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विषय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिसम्बर, २०२२ के ~~प्रथम~~ द्वितीय सप्ताह में 7 दिसम्बर, २०२२ को सामाजिक - आर्थिक एवं पर्यावरणीय सर्वेक्षण हेतु बूँदी शहर में जाना प्रस्तावित है अतः आप सभी नवम्बर माह के अन्तिम सप्ताह में भूगोल विभाग में उपस्थित हो कर सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करें।

SHWETA SAXENA
आज्ञा से
25.04.2024 11:17

प्राचार्य